

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून 2013

प्रश्न पत्र-III

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (ज्योतिष योग)

1. i) किसी कुंडली को जाँचने के सामान्य नियम क्या होते हैं?
ii) निम्नलिखित कुंडली के आधार पर जातक की आकृति एवं स्वास्थ्य पर प्रकाश डालिए-
लग्न-धनु 29:18, सूर्य-मिथुन 21:44, चन्द्रमा-कन्या 4:16, मंगल-वृष 29:02,
बुध-मिथुन 3:24, गुरु-कन्या 9:12, शुक्र-कर्क 15:47, शनि-कन्या 10:16, राहु-कर्क 8:11
2. सप्तवर्ग किसे कहते हैं? कुंडली की जांच करने के लिए यह किस प्रकार महत्वपूर्ण होते हैं?
3. कुंडली का अध्ययन करने के लिए निम्नलिखित की उपयोगिता को समझाए
i) जब कोई ग्रह राशि के आरम्भ अथवा अंत में हो
ii) दिग्बली ग्रह iii) विपरीत राजयोग
iv) पारिजात योग
4. प्रश्न 1 में दी गई कुंडली में किन्हीं चार योगों (सूर्य और चंद्रयोग को छोड़कर) के बारे में बताते हुए उनके परिणाम बताए।
5. निम्नलिखित के उत्तर दीजिये:
i) भावात् भावम् से आप क्या समझते हैं?
ii) मृगशिरा और हस्त नक्षत्र के कारकत्व बताए।

भाग-II (दशा व गोचर)

6. निम्नलिखित के उत्तर दीजिये :
i) दशा के परिणाम शोधन करने में हमें किन-किन साधारण नियमों पर ध्यान देना चाहिए।
ii) राहु महादशा के क्या सामान्य परिणाम होते हैं?
7. 31 मई 2013 को बृहस्पति ने मिथुन राशि में प्रवेश किया। कर्क, वृश्चिक, मकर और मीन जन्म राशि के लिए बृहस्पति के इस गोचर का क्या-क्या फलादेश होगा?
8. i) अन्तर्दशा नाथ की क्या उपयोगिता है?
ii) महादशा नाथ के रूप में बुध के साधारण परिणाम बताए।
9. संक्षिप्त में टिप्पणी लिखिए :
i) मूर्ति निर्णय ii) सप्तशलाका चक्र
iii) शनि का चन्द्रमा से अष्टम भाव में गोचर iv) वेध
10. शनि के पर्याय फल बताए।